(DHIND01)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE

MAXIMUM MARKS :30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. हिन्दी में इतिहास दर्शन के बारे में विश्लेषण कीजिए।

2. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के ऐतिहासिक पृष्टभूमि तथा प्रवृत्तियाँ पर प्रकाश डालिए।

3. हिन्दी साहित्य में नामकरण की समस्या पर प्रकाश डालिए।

4. रासो साहित्य का परिचय दीजिए।

5. भक्तिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का परिचय दीजिए।

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

HISTORY OF HINDI LITERATURE
MAXIMUM MARKS :30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. भक्तिकालीन सांस्कृतिक चेतना तथा आंदोलन का परिचय दीजिए।

2. रीतिकालीन काव्यधाराओं की विशेषताएं बताइए।

3. हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास के बारे में स्पष्ट कीजिए।

4. आधुनिक काल के विविध गद्य विधाओं (प्रवृत्तियों) पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) कबीर : सामाजिक विचारधारा

   (b) जायसी : पद्मावत

   (c) बिहारी : दोहे

   (d) प्रेमचंद : रंगभूमि

(DHIND02)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

THEORY OF INDIAN AND WESTERN LITERATURE

MAXIMUM MARKS :30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. रस–निष्पत्ति पर प्रकाश डालिए।

2. ध्वनि के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. रीति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए रीति सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

4. औचित्य संप्रदाय के आचार्य एव काव्य में औचित्य की आलोचना कीजिए।

5. अलंकार सिद्धांतों की मूलस्थापनाओं की समीक्षा कीजिए।

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

THEORY OF INDIAN AND WESTERN LITERATURE

MAXIMUM MARKS :30

ANSWER ALL QUESTIONS

1. अरस्तु के विवेचन सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

2. लोंजाइनस के उदात्तता – सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

3. प्लेटो का परिचय देते हुए काव्यकला संबंध उनके दृष्टिकोण को समझाइए।

4. स्वच्छंदतावाद की परिभाषा और विकास के बारे में समझाइए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

   (b) वर्डसवर्थ : काव्य भाषा-सिद्धांत

   (c) गीतकाव्य : तत्व

   (d) उपन्यास : प्रेमचंदोत्तर

———————

(DHIND03)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

OLD AND MEDIEVAL POETRY
MAXIMUM MARKS :30
ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) (i) बहुतक देखा पीर औलिया, पढ़े कितेब कुगना।
कै मुरीद तदबीर बतावै, उनमैं उहै पो ज्ञाना।।
आसन मारि डिंभ धरि बैठे, मन में बहुत गुमाना।
पीपर पाथर पुपन लोगे, तीरथ गर्व भुलाना।

(ii) सखि हे, एक पुछसि अनुभव मोए
सेह पिरिति अनुराग बखानि तिल तिल नूतन होए।
जन्म अवधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित
भेल सेहो मधुर बोल सवनहि सूनल स्नुति
पथ परस न गेल।

(b) (i) लागेउ माँह परै अब पाला।
बिरहा काल भएउ जड़काला।।
पहल पहल तन रुई पो झाँचै।
हहलि हहलि अधिकौ हिय काँपै।।
आई सूर होइ तपु नाहाँ।
तेहि बिनु पाड़ न छूटै माहाँ।।

(ii) मनहुँ कला ससभान कला सोलह सो बन्निय

बाल वैस, ससि ता समीप अम्रित रस पिन्निय।

बिगसि कमल-सिग्र, भ्रमर, बेनु, खंपन, म्रिग लुट्टिय

हीर, करि, अरु बिंब मोति, नष सिष अहि घुट्टिय।।

(c) (i) सुकृति संभु तन बिमल बिभूती,

मंजुल मंगल मोद प्रसूती।।

जन मन मंजु मुकुर मल हरनी,

किएँ तिलक गुन गुन बस करनी।।

(ii) मैं सुमुझ्यो निराधार,

यह जग काचो काँच सो।

एकै रुप अपार, प्रतिबिम्बित लखिए तहाँ।।

इत आवतो चलि जाति उत, चली छसातक हाथ।

चढ़ी हिडोरैं सी रहै, लगी उसाँसनु साथ।।

(d) (i) प्रेम सदा अति ऊँचो लहै सु कहै इतिह भाँति की बात छकी

सुनि कै सब के मन लालच दौरे, पै बौरै लखें सब बुद्धि-चकी।

(ii) रैनि अकेलि साथ नहि सखी।

कैसें जिऔ बिछोही पँखी।।

बिरह सैचान भँवै तन चाँड़ा।

जीयत खाइ मुएँ नहीं छांड़ा।।

2. आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

3. भक्तिकालीन काव्यधाराओं की विशेषताएँ बताइए।

4. कबीर के समाज सुधारवादी दृष्टिकोण पर समीक्षा कीजिए।

5. जायसी की काव्यगत सौष्ठव को स्पष्ट कीजिए।

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

OLD AND MEDIEVAL POETRY
MAXIMUM MARKS :30
ANSWER ALL QUESTIONS

1. तुलसीदास के काव्य प्रतिभा और अभिव्यंजना कौशल पर प्रकाश डालिए।

2. सूरदास की वात्सल्य वर्णन को समझाइए।

3. रीतिकालीन काव्यधाराओं की विशेषताएँ बताइए।

4. रीतिकालीन लक्षण ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

5. हिन्दी के सूफी कवियों का सिद्धांत पर प्रकाश डालिए।

(DHIND04)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

HINDI PROSE – DRAMA, NOVEL, STORIES AND ESSAY
MAXIMUM MARKS :30
ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) (i) मैं अभागिनी न होती, तो यह दिन ही क्यों देखती? अब तो ईश्वर से यही प्रार्थना है कि संसार से मुझे उठा ले। अभी यह दुर्गति हो रही है, तो अगे न जाने क्या होगा?

(ii) आर्यवर्त का भविष्य लिखने के लिए कुचक्र और प्रतारणा को लेखनी और मसी प्रस्तुत हो रही है। उत्तरापक्ष के खंड राज्य द्वेष से जर्जर है। शीघ्र भयानक विस्फोट होगा।

(b) (i) समय की प्रतीक्षा करो, महाराज में परिवर्तन होगा! जब किसी व्यक्ति में शक्ति की क्षमता होती है तो बुरे मार्ग से अच्छे पर और अच्छे मार्ग से बुरे मार्ग पर जाने में विलंब नहीं लगता।

(ii) मनुष्य लोक-बद्ध प्राणी है

इससे वह अपने को उनके कर्मों के

गुण-दोष का भी भागी समझता है पिनसे

उसका सम्बन्ध होता है,

जिनके साथ में वह देखा जाता है।

(c) (i) हाँ ! अब ठीक है। पानी दे। बस अब के हाड में यह आम खूब फलेगा। चाचा-भतीजा दोनों यहिं बैठकर आम खाना। जितना बडा तेरा भतीजा है उतना ही बडा यह आम, जिस महीने उसका जन्म हुआ था, उसी महीने मैंने इसे लगाया था।

(ii) किसी भी साम्राज्य की सीना तलवार से

खीची जाती है और सीना को

स्थायी के लिए उस रेखा में

रक्त के रंग भरा जाता है।

(d) (i) वसिष्ठ का ब्राह्मणत्व जब पीडित हुआ था, तब पल्लव दरद, काम्बोज आदि क्षत्रिय बने थे। राजन् यह कोई नयी बात नहीं है।

(ii) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है, जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृति हो उसकी सजा के कई रूपों के साक्षत्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए।

2. हिन्दे कहानी का उद्भव और विकास के बारे में स्पष्ट कीजिए।

3. निर्मला उपन्यास के प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण कीजिए।

4. नाटक कला दृष्टि से 'चन्द्रगुप्त' नाटक का विवेचन कीजिए।

5. मम्मी ठकुराइन और चारुमित्रा एकाकियों का समीक्षा कीजिए।

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

HINDI PROSE – DRAMA, NOVEL, STORIES AND ESSAY
MAXIMUM MARKS :30
ANSWER ALL QUESTIONS

1. हिन्दी रेखाचित्र साहित्य का विवरणात्मक वर्णन कीजिए।

2. उसने कहा था और परदा कहानी की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

3. हिन्दी यात्रावृत्तांत विधा का उद्भव और विकास पर समीक्षा कीजिए।

4. हिन्दी निबंध साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का विवरण दीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि

   (b) चंद्रधर शर्मा गुलेरी : जीवनी

   (c) जयशंकर प्रसाद : रचनाएँ

   (d) प्रेमचंद : निर्मला

(DHIND05)

ASSIGNMENT-1

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

MODERN POETRY
MAXIMUM MARKS :30
ANSWER ALL QUESTIONS

1. (a) (i) दिवस का अवसान समीप था, गगन था कुछ लेहित हो चला। तरु शिक्षा पर थी अब रावती, कमलिनी कुल दल्लभ की प्रभा विपिन बीच विहंगम वृन्द का, – कलनिनाद विवहित था हुआ। ध्वनियमी विविधा विहगावली, उड रही नभ मंडल मध्य भी।।

(ii) दया, माया, ममता लो आज, मधुरिमा लो
अक्षध विश्वास हमारा ह्रज रह निधि
स्वच्छ तुम्हारे लिए कुला है पास
बनो संसृति के मूल रहस्य, तुम्ही से फेलेगी वह बेल
विश्व भर सौरभ से भर जाय सुमन के खेलो
सुन्दर खेल।

(b) (i) कंकाल जाल जग में फैले फिर नवल रुधिर पल्लव लाली
प्रणों की मर्म से मुखरित जीवन की मांसल हरियाली।

(ii) यह है आय यह उठे राम ज्यों माद्रित धन
कहती थी माता मुझे सदा राजीव नयन
दो नील–कमल है शेष अभी, यह पुरश्चरण
पूरा करता हूँ देकर माता : एक नयन।

(c) (i) जान दूर कुछ क्रिया भिन्न है
इच्छा कयों पूरी हो मन की

एक दूसरे से न मिल सके

यह विडंबना है जीवन की।

(ii) मैं हूँ यह वरदान सदृश्य क्यों

लगा गूँजने से कानों में।

जय जीवन का वरदान मुझे

दे दो रानी अपना दुलार।

(d) (i) समर्पण लो सेवा का सार
सजल संस्कृति का यह पतवार
आज से यह जीवन उत्सर्ग
इसी पद वल में विगत दिकार।

(ii) जानकर ऋतुराज का नव आगमन
अखि कोमल कामनाओं अवनि की
खिल उठी थी मृहल सुमनों में कई
सफल होने की अवनि में ईश से।

2. 'प्रियप्रवास' खडीबोली का प्रथम महाकाव्य है – समीक्षा कीजिए।

3. छायावाद कविता में व्यापक रहस्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

4. 'कामायनी' में व्यक्त दर्शनिकता को समझाईए।

5. 'राम की शक्ति पूजा' में कला सौष्टव पर समीक्षा कीजिए।

ASSIGNMENT-2

M.A. DEGREE EXAMINATION, MAY/JUNE -2025

First Year

Hindi

MODERN POETRY
MAXIMUM MARKS :30
ANSWER ALL QUESTIONS

1. 'धीरे धीरे उत्तर क्षितज' कविता का मूल्यांकन कीजिए।

2. 'ताज कविता' में पंत जी की भावनाओं का वर्णन कीजिए।

3. दिगंबरी कविता में 'दिनकर युग चेतना' पर प्रकाश डालिए।

4. अंधायुग गीतनाट्य का तात्विक विवेचन कीजिए।

5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

   (a) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : साहित्यिक रचनाएँ

   (b) सुमित्रानंदन पंत : प्रकृति चित्रण

   (c) धर्मवीर भारती : अंधायुग

   (d) अज्ञेय : असाध्यवीणा